## **RBSE BOARD**

उनकी आध्यात्मिक वाणी है।

## कक्षा-९। हिन्दी क्षितिज

## Under CSR Support by Foundation **missiongyan**°

## अध्याय – ८| ललद्यद – वाख

QUIZ-01

1. "वाख" कविता में 'माझी' किसे कहा गया है?	6. "रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।" यह किस कवित	
A. नाविक को	पंक्ति है?	
B. वैराग्य को	A. वाख	
C. मनुष्य को	B. ग्राम श्री	
D. ईश्वर को (D)	C. सवैये	
<i>व्याख्या :</i> 'माझी' का अर्थ है नाविक, परंतु कविता में यह	D. यमराज की दिशा	
प्रतीकात्मक रूप से ईश्वर के लिए प्रयोग हुआ है जो जीवन रूपी नाव	<i>व्याख्या :</i> यह पंक्ति वाख कविता से ली गई है, जहाँ कवयित्र	
को पार लगाता है।	संघर्ष को कच्चे धागे से नाव खींचने के समान बताती हैं।	
२. 'वाख' कविता की कवयित्री कौन हैं?	७. 'वाख' किसे कहते हैं?	
A. सुमित्रानंदन पंत	A. एक पक्षी का नाम	
B. चंद्रकांत देवताले	B. वाणी को वाख कहते हैं	
C. ललद्यद	C. कविता को वाख कहते हैं	
D. महादेवी वर्मा (C)	D. ईश्वर भक्ति को वाख कहते हैं	
<i>व्याख्या :</i> ललद्यद कश्मीरी संत कवयित्री थीं, जिनकी वाखें	व्याख्या : वाख' का अर्थ होता है वाणी, जो ललद्यद जैसी संव	
आध्यात्मिक और रहस्यवादी भावों से युक्त हैं।	कवयित्रियों की आत्मा से निकली अनुभूतिपूर्ण रचनाएँ होती है	
3. ललद्यद किस भाषा की कवयित्री हैं?	8. किससे न मिलने के कारण कवयित्री के मन में 'हूक' उठ रह	
A. हिन्दी	A. प्रेमी से	
B. कश्मीरी	B. पिता से	
C. अवधी भाषा	C. परमात्मा से	
D. ब्रज भाषा (B)	D. परिवार से	
<i>व्याख्या :</i> ललद्यद कश्मीरी भाषा की महान संत कवयित्री थीं, जिनकी	व्याख्या : कवयित्री को परमात्मा से मिलने की लालसा है, ज	
रचनाओं को 'वाख' कहा जाता है।	मन में 'हूक' (गहरी तड़प) उत्पन्न करती है।	
4. "थल-थल में बसता है शिव ही" – यह पंक्ति किस कविता की है?	9. कवयित्री कच्चे धागे की रस्सी किसे कहती हैं?	
A. साखियाँ B. सवैये	A. साँस को	
C. सबद (पद) D. वाख (D)	B. प्रभु-भक्ति को	
<i>व्याख्या</i> : यह पंक्ति वाख कविता की है, जिसमें शिव (ईश्वर) की	C. मृत्यु को	
सर्वव्यापकता को दर्शाया गया है।	D. अपनी इच्छाशक्ति को	
5. ललद्यद की काव्य-शैली को कहा गया है –	<b>व्याख्या :</b> कवयित्री अपनी साँसों को कच्चा धागा कहती है।	
A. साख	१०. कवयित्री हिंदू और मुसलमान दोनों को किसकी आराधना	
B. पाख	के लिए प्रेरित करती हैं?	
C. भाख ideo COURSES   QUI	Z A. श्रीकृष्ण की B. गणेश की	
D. वाख <b>D o w n l o a d M i (</b> D) \$	C. शिव की 🥒 🗸 🔘 🕦 D. विष्णु की	
<i>व्याख्या :</i> ललद्यद की रचनात्मक शैली को 'वाख' कहा जाता है, जो	<i>व्याख्या :</i> ललद्यद दोनों समुदायों को शिव (निर्गुण ईश्वर) की	

6. "रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।" यह किस कविता की					
पंक्ति है	पंक्ति है?				
A. ā	गरव				
B. 刃	गम श्री				
C. ₹	<b>ग</b> वैये				
D. ۲	पमराज की दिशा			(A)	
<i>व्याख्या :</i> यह पंक्ति वाख कविता से ली गई है, जहाँ कवयित्री जीवन					
संघर्ष को कच्चे धागे से नाव खींचने के समान बताती हैं।					
७. 'वाख	' किसे कहते हैं?			I	
Α.	एक पक्षी का नाम				
B.	वाणी को वाख कहते	हैं			
C.	कविता को वाख कह	ते हैं			
D.	ईश्वर भक्ति को वाख	कहते हैं	113:	(B)	
<i>व्याख्या :</i> वाख' का अर्थ होता है वाणी, जो ललद्यद जैसी संत					
कवयित्रियों की आत्मा से निकली अनुभूतिपूर्ण रचनाएँ होती हैं।					
8. किससे न मिलने के कारण कवयित्री के मन में 'हूक' उठ रही है?					
А	. प्रेमी से				
В	. पिता से				
C	. परमात्मा से				
D	. परिवार से			(C)	
<i>व्याख्या :</i> कवयित्री को परमात्मा से मिलने की लालसा है, जो उसके					
मन	मन में 'हूक' (गहरी तड़प) उत्पन्न करती है।				
9. कवयित्री कच्चे धागे की रस्सी किसे कहती हैं?					
А	. साँस को				
В	. प्रभु-भक्ति को				
C	. मृत्यु को				
	). अपनी इच्छाशक्ति व	गे		(A)	
व्याख्य	<b>ा:</b> कवयित्री अपनी सं	ाँसों को व	म्चा धागा कहती	है।	
१०. कवयित्री हिंदू और मुसलमान दोनों को किसकी आराधना करने					
के	लिए प्रेरित करती हैं?				
<b>4</b> A. 8	श्रीकृष्ण क <u>ी</u>	E 2	B. गणेश की	E <b>3</b>	
Co	शेव की	a n	D. विष्णु की	(C)	

आराधना की प्रेरणा देती हैं, जिससे धार्मिक एकता और

आत्मज्ञान का संदेश मिलता है।